आशा पारस फॉर पीस एंड हारमोनी फाउंडेशन एवं वेद फाउंडेशन

राष्ट्रीय वेबिनार : लिंगानुपात असंतुलन : अधिकार, कानून और यथार्थ

दिनांक 29-10-2023

आशा पारस फॉर पीस एंड हारमोनी फाउंडेशन एवं वेद फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया जिसका विषय लिंगानुपात असंतुलन : अधिकार, कानून और यथार्थ विषय पर आयोजित किया गया। इसमे देश के अलग-अलग स्थानों के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों के प्रोफेसरों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, मीडिया प्रतिनिधियों एवं छात्र छात्राओं ने प्रतिभागिता की।

मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. वीणा सिन्हा, स्त्री रोग विशेषज्ञ, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी एवं प्रख्यात साहित्यकार, भोपाल द्वारा वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए कहा कि लिंगानुपात असंतुलन एक विश्वव्यापी समस्या है इसके ऊपर अधिक कार्य करने की आवश्यकता है।

विशिष्ठ वक्ता के रूप में डॉ. अवन्तिका शुक्ला, स्त्री अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा कहा कि समाज में बालिकाओं को हमेशा से नकारा गया है, बेटी पराया धन नहीं हैं यह बात बेटों को परिवार को समझने की आवश्यकता है। इस बात को कहते हुए उन्होंने लिंगानुपात के आंकड़ों को भी विस्तार से प्रस्तुत किया।

विशिष्ठ वक्ता के रूप में डॉ. रत्ना मुले, चिकित्सक, महिला उद्यमी एवं मोटीबेशनल स्पीकर, भोपाल द्वारा अपने वक्तव्य में महिलाओं की भागीदारी के आंकड़ों, लिंगानुपात के आंकड़ों को प्रस्तुत करते हुए कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आर्थिक सामाजिक स्तर के हर पहलू पर शोध करने की आवश्यकता है।

विशिष्ठ वक्ता के रूप में डॉ. सुप्रिया पाठक, स्त्री अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा ने अपने वक्तव्य में महिलाओं की स्थिति को बताते हुए शारदा एक्ट, विधवा पुनर्विवाह, दलित स्त्रियों की चिंताजनक स्थिति पर जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा की आजादी के इतने साल बाद भी महिलाओं की स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि समाज में दहेज के लालच में कई महिलाओं को जिंदा जला दिया जाता रहा है, बेटे की चाह में बच्चियों को मार दिया जाता रहा है। आज सभी देशों में महिलाओं की स्थिति बहुत चिंताजनक है यह चिंता का विषय है।

अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. आशा शुक्ला, पूर्व कुलपति, डॉ. बी. आर. अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय, महू द्वारा लिंगानुपात असंतुलन के परिणामों पर बात करते हुए कहा कि लिंगानुपात असंतुलन यह किसी एक घर का मामला नहीं है यह हम सभी का, देश का और विश्व का मामला है और हम सभी को मिलकर इसके संतुलन की ओर कार्य करना चाहिए।

स्वागत एवं प्रस्तावना वक्तव्य डॉ. मनोज कुमार गुप्ता, संपादक, द एशिन थिंकर द्वारा प्रस्तुत किया गया। वेबिनार का संचालन एवं संयोजन प्रबंधक लव चावड़ीकर द्वारा किया गया। धन्यवाद डॉ. रामशंकर, मुख्य संपादक द एशियन थिंकर द्वारा प्रदत्त किया गया।

Asha Paras for Peace and Harmony Foundation and Ved Foundation

National Webinar: Gender Imbalance: Rights, Law and Reality

Date- 29-10-2023

A National Webinar was jointly organized by Asha Paras for Peace and Harmony Foundation and Ved Foundation, India on the topic Gender Imbalance: Rights, Law and Reality. Professors, social workers, media representatives and students from universities and colleges from different places of the country participated in it.

Presenting the statement as chief guest, Dr. Veena Sinha, gynaecologist, former administrative officer and renowned litterateur, Bhopal said that sex ratio imbalance is a worldwide problem and there is a need to work more on it.

As the Special Guest speaker, Dr. Avantika Shukla, Department of Women's Studies, Mahatma Gandhi International Hindi University, Wardha said that girls have always been rejected in the society, daughters are not someone else's wealth, sons need to understand this for the family. While saying this, he also presented the sex ratio figures in detail.

As a Special Guest speaker, Dr. Ratna Mule, Physician, Woman Entrepreneur and Motivational Speaker, Bhopal, in her speech presented the figures of women's participation and sex ratio and said that every aspect of women's health, education and economic social status. There is a need to research.

As a Special Guest speaker, Dr. Supriya Pathak, Department of Women's Studies, Mahatma Gandhi International Hindi University, Wardha, in her speech explained the status of women and provided information on Sharda Act, widow remarriage, worrying situation of Dalit women. He said that even after so many years of independence, the condition of women has not improved. He said that in the society, many women have been burnt alive due to the greed for dowry and girls have been killed in the desire of having a son. Today the condition of women in all countries is very worrying, it is a matter of concern.

In the Presidential address, Prof. Asha Shukla, former Vice Chancellor, Dr. B. R. Ambedkar University of Social Sciences, Mhow, while talking about the consequences of sex ratio imbalance, said that sex ratio imbalance is not a matter of any one house, it is a matter of all of us, the country and the world and we all have to work together towards its balance. Needed

The welcome and introductory statement was presented by Dr. Manoj Kumar Gupta, Editor, The Asian Thinker. The webinar was conducted and coordinated by Manager Love Chawdikar. Vote of Thanks provided by Dr. Ramshankar, Editor-in-Chief, The Asian Thinker.